

१ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

१३१

१ॐ नमः श्री अमाघपागालाक्षत्राय नमः ॥ ॥ ॐ नमः त्रैलोक्यायः ॥ नमो लोकाय ॥ ॥
 वाधिसत्त्वाय महासत्त्वाय महाकाय नृणां काय ॥ नमः ॥ ॐ मृत्पिपशुं ॥ सदान्न नमः त्राय नानर्थ ॥ ॥
 कामदा वाचय ॥ श्रीमालाविनय ॥ यथिनस्मिन् ॥ महावृद्धकृष्णः ॥ वेहालिकाः ॥ नामनासा मयमादिनं ॥ ॥
 ॥ ॥ द्रायां श्री ३ कनूक्षमय अमाघपागालाक्षत्राय नमः स्तुतये ॥ ॥ पथमं हकि पूर्वक नमः
 सचिदा ॥ ॥ स्वत्रयाक्षमनयाशरुकि पूर्वक नमः पूजायानाश ॥ श्री अमिबुन कथानपा ललाषादिनहा १
 य ॥ ॥ पत्रापरवकालसपातीपुत्रा म नग नमः स्वकनामान इलसांकर्कनाना नाम महा विहा नमः
 उपगुप्तिरुजागस्वत्रयाक्षप्रार्थना विनयि या करुलं ॥ ॥ हा उपगुप्तिरुजागस्वत्रयाक्ष ललाषादिनहा
 नरुलसां अनेगपुका ननधर्माया कथादनेधन अहा नागुवुन कथा आदिनलकृष्ण वुन धर्मादिनना
 नाधर्माया कथादनेधन ॥ आतावुन दक्षमहा उरुमहा याती धानगुही ३ अमाघपागालाक्षत्राय अमि

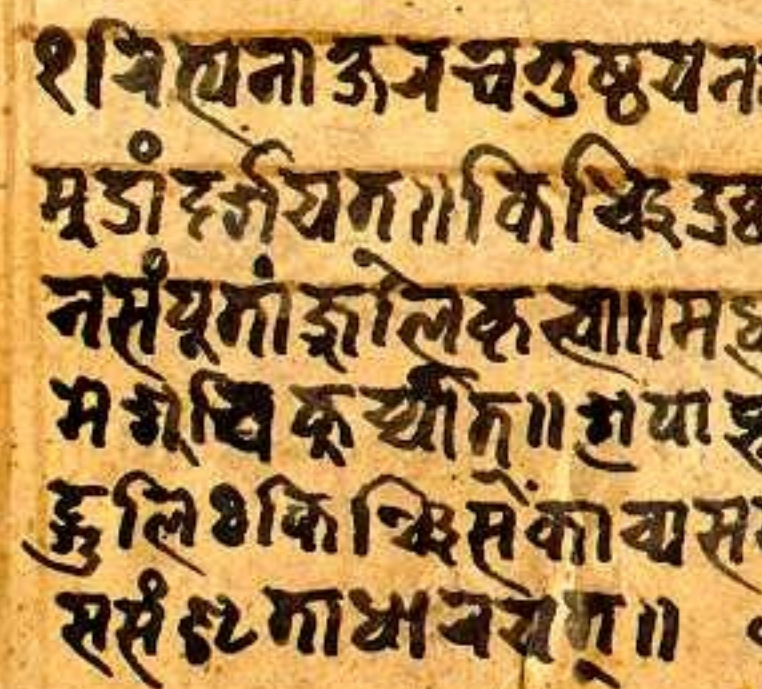
बुद्ध्या कथा त्वं दने ॐ काश्ल हा उपगुफा ग्धस्वन ॥ आहूपस नरस्य विष्णाय माल ध्वकं अस्वक नान विनि
 यामं ॥ धर्म हाषा दनाडा उपगुफ रिद्रुन शलसां आहूपस नरस्य विष्णाय माल ध्वकं ॥ हा अस्वक नाडा पूना पूर्व
 कालसं ग्धगनयनिस्यन आहूपस नरस्य याडा नडा गुजिन दस्य मया ॥ अस्मि बुद्ध्या मदिमा खहा अस्वक ना
 डा जिन दस्य मया जिन दन न कने शल ॥ दन विरुस्ति नया डा डा डा जिन शलसां कने शन हा ना ऊ दु ग्ध धन
 सा श्री उपगुफ मस्वन त्वं नमस्का नया नाडा ॥ द्वायां श्री अभाद्य पास लाकं स्व नया मलु लदयक पूर्व कलस स्थापना
 याय अष्ट गंधन मलु लयाय रुनं मिष ना विदिन मलु लउयक ॥ दन न डाह डा जया साम्या क पिना धडा क सा
 या इ इ मया डा कि सलि दया या डा हा हा लस्वान नया डा धया क वा नया डा प च प लव क सा द क पं व विदि पं च
 वल द न व सुदि मया डा मं ल म ध स्थापन या नाडा ॥ ग्ध सम हा काल थापना या नाडा विधि विधान धं उपा
 या सन ये नाडा ॥ स्नान या ग धन का डा इ इ विरु शया डा मिवा हा नत वा नाडा वं क व य ध ल ल पा डा द हा

कृमालमालमाडाणानिया कबूधमयाडापवमसवया कमनमयाडाविधिपर्वकनपजायय ॥ ॥ क्रापांगं झजल
 नस्तानेयाकक ॥ धूपदीपनेवयकाय ॥ गुगुधस्वानकाय ॥ रुलरुलकाय ॥ थडा २ म ६ नसपजायाय विधिप
 जात्रसंगपंव पुनाम ॥ तिसनधयास्य ॥ शास्त्रकनाडापनं लिथडासनसुहालपाडा ॥ असिखासन ॥ थडागुइ ४
 खवदनाथमनसियाडा ॥ गुगुलिअसिखाया नागुलिअसिखासन ॥ अर्घडा नाडाकाकयाय ॥ शापवमइवनधक
 अर्घविय ॥ उपध्वा नयाय ॥ व ६ वगुपनिगु ॥ आकार्यपनिगुधर्मयाकथादन ॥ दक्रनाविय ॥ दक्रनाथडागुव
 मुगिसाक ॥ व ६ वल ॥ त्यानि ०० ॥ त्यादि ॥ विय ॥ सरुनसा ॥ चडाकावयाय ॥ शास्त्रकनाडा ॥ थगुलि विधिमरु नसाअइमि
 वनयाखरुकादन ॥ उपासनमागुइका ॥ धान ॥ सरुधर्मक ॥ थइकादनमाल ॥ प ॥ अमृ ननइकपालनयाय ॥ शास्त्र
 कनाडा ॥ धमृ ६ मिबुगया विधिविधान ॥ पर्वक ॥ आराखादनडा ॥ उपपुनइलसा ॥ आइदयकस्यविष्कानं ॥
 शास्त्रकनाडा ॥ पूजापर्वकालसद्योग ॥ अगपनिस्मिआहाप्रसन्नइया विष्ककगुजिनदस्यनया ॥ धमृ ६ मिबुगमहि

नारव॥ सा मस्तकनाडा धरवाडे नरु सगयागु यलपालया नकनः यनविहंसिलयानाडा दडा जिनकनरुल॥ ॥
 रुवाडे डेग (धधनसाडी) उपनभस्व नमस्तनयानाडा द्यापां श्री ३ ममाद्यपा हा लाक स्वयामलु लदयकः पूर्णकल
 मदिस्तनायाय अष्टगधनमलु लधाय॥ हनं मिमषु नाविदिनमलु लडयक॥ हनं नन्दा हडा जया सोम्या क पि
 ला धडा क साया इइ ध विध लग्ग वलग्ग मरु॥ धडा क सायागु राग श्या ना गुगु प्रमानग (धधलसा प १ धा
 म्मशा रग्ग व न पु इइ यज धु निपु १ धल धु मिहाग श्या नाडा पंचन धग मयामु नुन सा धनयाय ध नका डा प अग
 य कायाडा वनयाडा धक॥ उपपुजा ग्वस्व न नमस्तक नाडा या न आ ह दयक ले॥ ॥ धनो लिपे ला पूर्व काल
 समी म्मक सिंदरु गवानं य दू यादिन न आ नन्द रिदु प्रमस्व नः सर्व निवर्तु विष्कं रिवा धिमस्व आदिन मिं निद
 लमषस्व लपनि सदि नयानाडा श्री ३ म्मक सिंदरु गवान नरुल सां अने के शा रु व न न क हा विष्का नाडा॥ क
 पिल वरु निमहानग नया समिप म निम्व धया नाम ड म न स म्म ल म्म द रु मिद स्यं वानः थ गुग्गु द गु ला रु

नसविकानाडाः धलाह नगधिगुधलसाः पूर्ववन्दमायानजधंजाकल्पमानश्याडावानगुधलाह नस॥ श्रीग
कमनिः रगवानविकानाडाः धडासविडनपचनसिपिकायाडाः धवलसस्वर्गमध्यामालसजाकल्पमानश
यकः धलाह नसगुरुपिकायाडाः विकानं॥ ॥ धधिं क्रीडरगवानरासकवाडाः धलिलाहारा नसविक
डाडाः धर्मयाव्यायानः याययाननयानरुस्यविक्रक॥ धवलसस्वर्गमध्यामालसविक्रकदवलाकपनिसन
धिद्विवा नयानं॥ रादवलाकः धजाकल्पमानरुस्यं गडाडागुभवयानजमध्वकंसदिष्टिवाकनेधलसांधल ३
धरुयिडादवलाकपनिः श्रीगकमनिरगवानरुलसांसमसं सधमनकाडाः मलयमलसविकानाडाः कपिलव
मुनिमहानगयासमिपडाः सवावनध्यामी वसः सखसिलाध्या लाह नसः अखंगस इरुमिसहीआ कसिंदरगः
वानविक्रादाडा॥ धर्मयाव्यायानयागनयावरुस्यविक्रकः धयानजधकाश ०० डादिदवलाकधकः सुदि
वाकननआह्लादयकलं धनहाषादनाडाः वदुदजरुवनयाः ०० उनधनः रादवलाकआडाजिसमसं॥ श्री

ॐ क० ह० व० हा० ॥ स्व०

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

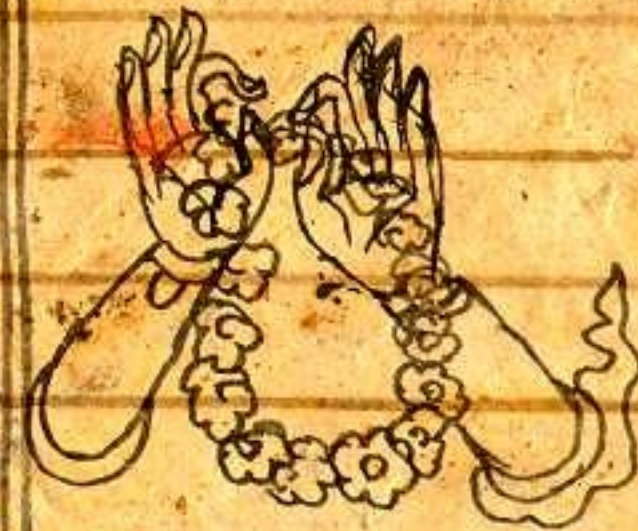
ॐ आशुतां वमयत जपं च पुनः पुनः ॥ वाक् ॥

[illegible]

ॐ वज्र लाङ्घनं ॥



ॐ वज्र मा ल्यगार्गं ॥ ॐ वज्र मा मा कुं ॥



ॐ वज्र नील अक्षं ॥



ॐ वज्र पृथ्वी ॥



ॐ वज्र धूपं ॥



वक्र

सम

वक्र

यक्ष

ॐ वक्र दीपदी

ॐ वक्र गान्धर्वः ॥

१ॐ ह ॥ स्वाहा ॥ ॐ हा ॥ स्वाहा ॥

वक्र सत्त्वसंग्रहवक्र नलमनूरुव ॥ वक्र धर्म



गायनवक्र कर्म कलान् हव ॥ ट किं १ ह ॥ ३ ट की यज मूजा न्द जी यन् ॥ ६ ॥

काज सं ह वं नार्थ क वृक्षार्थं सनिष्ठमान स ॥ अमाद्यपा सं नामा नाम लोक

नार्थ नमाम्यहं ॥ ॥ मनु नय्ये ॥ ॐ नमान लोभयाय ॥ ॐ नमा आर्या वः

लाकि न स्वनाय वाधिसत्वाय ॥ महा सत्वाय महाका नृलिकाय नय धा ॥ ॐ अ

माद्यजिलः महाजिलः मुक्त सत्त्व ह व १ सं ह व २ प म विरुषि म उ ज ध व सम

मांदगादि रज्ज क धा तु सनिपति गा ॥ सर्व बुद्धा ह ग व ना वाधिसत्वा इव अहं भव नामा ॥ ज कि चि न काय वा गम

नाहि ॥ सर्व बुद्ध वाधिसत्त्व ॥ ॥ मागापि न नो न द न्या संगम ह ॥ ०० रुज न्म धि ह ग वा न न व ॥ मया पाप कं कर्म कन

[illegible]

समायकं पटुं ग्यामहूषिर्न॥ वकुलिक मीतिषयर्थं नं वज्रवत् नषर्चिर्नं कुरुकुरु ॥ महावज्र कर्मशीर्षः
रुपक्रिनी किंकि निजालमल्लिर्नं धुर्नं नष्टे नलद्वर्नं ॥ वामवादि विहृषिर्नं हनिवहि ससस्त्रिर्नं ॥ मत्तं
उगल्लं ॥ पंकात्रयविनर्नं ॥ विश्वदलकमल्लं अंकावजं पूर्णं मीतिमल्लं ॥ नभापविर्नं ४ कावमनिपुला
त्यनं ॥ सुल्ललनसमूहं व्याफनहस्तं ॥ विहाय मत्तविनर्नं स्ववीजगह्वं नातालं कर्नं विकवताल सम
वलाकपेत् ॥ कुरुकुलसकचपनिर्नं मास्मानं गवर्नं क्षाक्षुर्नं ॥ हिमकवर्नं काटिकिल्लं वदानदहं ॥ सम
नमस्वर्द्धिनेष्ट वर्षदशियं कवृक्षजसा निग्धवलाकनं गृक्षन्नस पक्षपाणिर्नं ॥ दिव्यसर्वर्द्धमल्लि कर्नक ॥
वज्रवेद्यसर्व्वत्वाद्याहवत्तुषिर्नं ॥ अष्टज ॥ दहिनप्रथमहजना मन्त्रावर्द्धवत्तदं ॥ द्वितीयहजना
क्रमालाध्वं ॥ रुनियहजन पाशध्वं वधुर्थहजनाहयवत्तंधनी ॥ ॥ वामपथमर्द्धं नसनालस
हृदयदलकमल्लध्वं कवविगर्न पीयूषध्वं वावदानल सिक्कदध द्वितीयहजनपुष्पापुष्ककध्वं

रुमियतुङन॥ विष्णुलधलं॥ वरुधरुङनकमलुधलं॥ प्रवंतुतां॥ श्रीरमाघपाभलाकभ्वलं
मात्मानं रावयतु॥ हगवनाभिनमि॥ कीकाशत्यन्नकाहं मयूनासनं वजधर्मसात्मानं हगवने
ध्यायात्॥ नहुदिहगवनापुनः॥ अभायादुभनेकवर्षे॥ अदुभनेसर्वकलधनं वाभकेलेपाभधनं
हगवनादौ॥ (हगनावाध्यामावाभकनेधनं सवालमृत्युलं॥ दकि॥ (हकलधसविकाभयनीनानाः
लम्यालवमि॥ अतिनवयोवनायोवनाहीनेकवरागा॥ ॥ अ॥ (गनसधनकमालध्वरुगाअलिपूट॥
कनकवरासदमिकुमात्रपध्वीवाभककविन्यरुः पूरुकसकलालंकनवान॥ ॥ वामहकटिवरुजा
हमपुताऊटाकलपिना॥ वाभतिदधुककमलुधालिहसा॥ दकि॥ (हवन्दनारिंन॥ अकसुधनकनाति
नेया॥ ॥ अ॥ अनहयग्रीवाचकवर्षेचलम्वोदलंडईकूलिगापि॥ (गईकमा॥ हजगजहा॥ प्रवीमी॥ कपिनन
नसम॥ (मनीपनिविन॥ मुखसलुलनकवकुतिनेगुकुटिकटिलउक॥ व्याघ्रचर्मचव॥ ॥ अयूध॥ दकि॥

दक्रि (१) कवर्तवदनातिनयी ॥ ॥ गदाकाष्टदलपद्मसेनायादिविन्ध्यसुत ॥ ॥ मेष्ठिययपीनवर्त्तनाग
पृथ्वयप्रदं ॥ क्रिष्टिभर्तुदक्रि (२) मधुमवर्त्तकिलसंयारयं तथा ॥ पश्चिमवर्त्तपाणि, मुक्ताहं वजाकृवप्रदं ॥ उ
रुनखगद्गा, मधुमवर्त्त, विनामहिबलप्रदः ॥ अग्नेय ॥ मरुधाष, कनकवर्त्त, स्वर्णपुष्पकधावि ॥ नैमग, गग
धगं जानकवर्त्त, नीलात्यल, वप्रदः ॥ वायव्य ॥ विष्णुंसी, तुषा नवर्त्त, त्रिलोकमवप्रदः ॥ ॐ नमस्तुभ्यः
पीताम्बु ॥ चलोत्यलवल्प्रदः ॥ ॥ गदाकचयुक्ता नै ॥ पूषा, भुक्ता, पूषामालावकधाविवाभानजकचा
॥ नैमत्याधूपा, धूमवर्त्तधूपकट, वलगाहियामनरुक्ता ॥ वायु, वीदीया कनकवर्त्त, दीपयष्टी, पद्मवामरुक्ता,
उमन्यागधानकागन्धसंखरुक्ता, नीलोमर्त्तननुजा ॥ ॥ पूर्वद्वारकलायां वजांकुसुमसमीप ॥ ईकाव
वीरुसंरुक्ता वजांकुसुमीनयुमि ॥ ईकाववीरुसंरुक्ता दक्रि (३) द्वावसंरुक्ता नीनवर्त्तप्रहाइसोतु रुक्तायां वज
धरु ॥ वंकाववीरुनिषान्न ॥ वजांकुसुमसुप्रह ॥ रुक्तायां मुखलगृह ॥ पश्चिमद्वारसंरुक्ता नाइहा कान

वीरनिजाभा वजावमकुउरुनेयंकासंगरुकरुसायांविभ्वर्तुमहायुनि॥पद्मसुवन्दविभ्ववसहस्रपयहुवा
सस्तिन॥ ॥गुरुकाकाः॥शानवकुगुपांयासुंनावनावूरावजधना॥ॐ॥मयायांमहीखावूराहुकादधु
धना,जम॥प्रमियासकनावूरा,॥मसफरुदा,नागपाग,गारवरुनवनूदा॥उदिआनववाहनपीमाहु,गव
कवन४॥ ॥विदिकुवलाव४॥ममा,यया॥ममावूरावकगु,कमकुवधना॥अग्नि॥नेमए,सर्वावूरा॥
नीलखपुरुटकधना,नाकसाधिय॥नेमन॥वायूयामृगवाहना,नीलावागवटधनावायू॥ॐ॥मन्यावृष
रावूरा,मिमिअचकपालपाति,ॐ॥मन॥ ॥उमसर्वजकवकापुनिमदृष्ट,यायथा,॥महमवस्तिनाविन
नीया॥ ॥जवहमानसमकुलयंगवयम्॥आपां,पुं,पं,लांघंसुमः॥ ॥ॐ॥मिमकुलातामीनामद्विमिय
यागसमाधि॥ ॥आंकी४॥लाकविजयायअभाघपाछाप्रमिदुन४की४हहंरुटखाहा॥अननमकु॥गीअसा
घपा॥लाकअचनपुमख,वडुविंममिदवना,पनिपूर्तीलावयम्॥गु४प॥अनहानेमकुलमाकर्षयम्॥कममिडा

वक्र स्वर

विधियम् ॥

ॐ नमो भगवते



स्वत

ॐ नमो भगवते

कश्चिदायदा स्यात्



स्वत

ॐ नमो भगवते



वक्र स्वर

ॐ नमो भगवते

ह्रीं ॐ नमो भगवते

किं न भवति यद्



वक्र स्वर

ॐ नमो भगवते

अमाद्यां कश्चिदायदा

किं न भवति यद्



वक्र स्वर

ॐ नमो भगवते

अमाद्यां कश्चिदायदा

किं न भवति यद्



पीन पीन त्रक पीन धाम स्वन धाम
 उं स ध ना य हूं उं ह क टि य हूं उं ह य गी वा य हूं उं मे शु य हूं
 उं कि रि ग ही य हूं उं व ज पा ति य हूं उं ख ग हा य हूं ॥



वीर
ॐ मम ध्याय हं



वक्र
ॐ गगन गजस्य
हं ॥



स्वत
ॐ सर्व निव न वि
स्तुति न हं ॥



वीर
ॐ वक्र पथ हं ॥



स्वत
ॐ वक्र पथ हं ॥



धूम
ॐ वक्र पथ हं ॥



वीर
ॐ वक्र दीप हं ॥



हा ॥ दथ नाहानीर्घांग ॥ उं विजयाय स्वाहा ॥ अंगुना नीर्घांग ॥ उं जय विजय स्वाहा ॥ वनानियो ॥ उं आ ४ हुं ॥ प्रिका
या विष्णुना ॥ ॥ नमोस्तुतय भूको भनव नमस्तुलः नदयविः ॥ का नन गडस्मिड विरुगः विनयतः द
मदिह कधमगुगत्वाः अमा यया जला कधनमस्तुलये दृष्ट ॥ ॥ वडा कधमदिना कधमः वडा कधमकुते स
य अर्घरा कुनलि मगंधवाः निवाथा ऊः अमनादिकं दद्यात् ॥ आयायूः यंलां धं सुता ॥ अरिषकलादि x ॥

यथाहि ॥ मकुटडाग ॥ उं अरिषकं महाव
ऊंः कुंधा सुकं नस्तुतयः ददामि सर्ववृद्धानां
प्रियुक्तलयसस्तुतयः मकुटय अकलारुवं ४
दूदनसर्ववृद्धानां यथा कं यं नार्थय ॥ म
कुटय अकलारुवं ॥ उं सर्ववृद्धवृजमहाम
कुटय निरुहा ॥ ॐ ॥

उं आ ४ वडा दका अरिः
वि अमा ॥ स्वन



नत उं दका रिवर्क कथात् ॥
उं वजमकुटारिषिकं सुनने लीमहे

उं सर्ववृद्धवृजमहाम
हाम कुटय निरुहा ॥ स्वन



नत मकुटारिषिकं सुनने लीमहे

उं वडा धनम
अरिषिकं हुं ॥ स्वन



नत मित्रसिध्यादिनय ॥

ॐ सत्ववर्जि जूरिषि ॐ वज्र उवा हा ॥
 ॐ ॥ तीया ॥ ॥ खरु ॥
 ॐ सत्ववर्जि जूरिषि
 ॐ गुणापि ॥
 ॐ धर्मवर्जि जूरिषि
 ॐ ॥ ॥ ॥
 ॐ कर्मवर्जि जूरिषि
 ॐ ॥ ॥ ॥
 ॐ मन्त्रवर्जि जूरिषि
 ॐ ॥ ॥ ॥
 ॐ धर्मवर्जि जूरिषि
 ॐ ॥ ॥ ॥



ॐ हूं ॐ हा ॥ ॐ अमाद्ययागनामाचार्यत्वं हूं उवस्व ॥ चिन्तयिष्यामि ॥ ॐ अ
 ॥ अद्यमायागुहं ॥ अद्यमकूटं अमृगारुहं अद्यवर्गः मात्मानं हावयन् ॥ यन्
 याद्यादियथा न्याग ॥ ॐ अ ॥ वे वाचाय स्वाहा ॥ ॐ अ ॥ आयाय स्वाहा ॥
 ॐ अ ॥ अतसं रवाय स्वाहा ॥ ॐ अ ॥ अमृगारुहाय स्वाहा ॥ ॐ अ ॥ अमाद्य
 मिथिय स्वाहा ॥ ॐ वाचनिय स्वाहा ॥ ॐ मामकिय स्वाहा ॥ ॐ यमुममिय
 स्वाहा ॥ ॐ नावाचाय स्वाहा ॥ यः लां घं मुनि ॥ रनमरुय अरुहाना ॥ अ ॥ अ
 ह्यादिकृवाचाती ॥ मध्यवेवाचनः नार्थवचनमसुग ॥ कस्य न ॥ ॐ विः
 जानं स्वादि ॥ ॥ गदनं गन्धमूलमकुत जाययाया ॥ ॐ अ ॥ अमाद्य
 दि ॥ ॐ न जायकाग ॥ ॥ आयायः यं लां घं मुनि ॥ ॐ नि कर्मना



कनकतिष्ठुडयाय नमः ॥ कनकमरुति ॥ कनकमरुति ॥ कनकमरुति ॥ कनकमरुति ॥ कनकमरुति ॥
 कनकमरुति ॥ कनकमरुति ॥ कनकमरुति ॥ कनकमरुति ॥ कनकमरुति ॥ कनकमरुति ॥
 कनकमरुति ॥ कनकमरुति ॥ कनकमरुति ॥ कनकमरुति ॥ कनकमरुति ॥ कनकमरुति ॥

लो क पा व ड

ॐ सूर्याग्राधिय
न स्वाहा ॥ न क ॥



ॐ चन्द्रानक्राधिय
न स्वाहा ॥ स्व न ॥



ॐ अर्द्धपृथिवि
स्वाहा ॥ पी न हा ॥ पी न ॥



ॐ अस्मत्स्य स्वा
हा ॥ न य



ॐ नागस्य ॥ न द न न य ॥ वलि स



पय न्यास ॥ पं लां घं
हु न ॥ वलि स कु ॥
ॐ न मा य पा अ क्रो ॥
सर्व इ ह समय म डा
चरं ड क ०० द वलि
इ ग्धा दि स हि न ग
क २ म म सर्व स त्वा ना

ॐ अ लिं प लिं न कां क न स लि हं हं रु द स्या हा ॥ म ध धा लो पा न य न ॥ द वा स ना उ कं ग सि द्वा सा का

